

6

SUMMARY TRAIL UNDER SECTION 263 OR 264 OF THE CRIMINAL PROCEDURE CODE 1898

In the court of :- चारुलता दांगी, न्यायिक मजि० प्र० श्रेणी न्यायालय सनावद

Case No. -----

Complaint report made on -----

Name and address of the complainant abkari Sanawad

Name parentage, caste, and address of accused

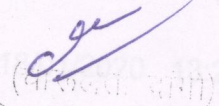
नाम अभियुक्त :-

~~लोकेन्द्र~~ पिता देवराम उम्र 34 वर्ष
निवासी दसोड़ा तह.

The offence complained of, and date of, its date of, its alleged commission

आपके विरुद्ध अभियोग है कि आपने दिनांक 18/04/20 को समय 12/47 बजे, स्थान भारत की छबे के सामने में अपने आधिपत्य में अवैध रूप से बिना अनुज्ञाति के 18 वॉटर केरी फ्लेक शराब रखी ?

आपका उक्त कृत्य म० प्र० आबकारी अधिनियम की धारा 34 के अन्तर्गत दण्डनीय होकर इस न्यायालय के संज्ञान में है। क्या आप उक्त अपराध करने स्वीकार करते हो अथवा विचारण चाहते हो ?


(चारुलता दांगी)

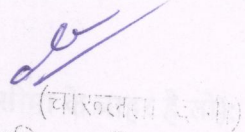
न्यायिक मजि० प्र० सनावद

the plea of the accused and his examination (if any) _____

अभियुक्त का अभिवाक

मुझे अपराध स्वीकार है। मैंने अपने पास 18 वॉटर केरी फ्लेक शराब रखी थी।
गलती हो गई। माफ किया जावे।

लोकेन्द्र


(चारुलता दांगी)

न्यायिक मजि० प्र० सनावद

the offence proved if any, and in case under clause (d) clause (e) clause (f) or clause (g) of Section 260 the value of the property in respect of which the offence has been committed

:: निर्णय ::

(आज दिनांक 27/01/2020 को घोषित)

- (1) अभियुक्त का विचारण म0प्र0आबकारी अधिनियम की धारा 34-क के अन्तर्गत लिये किया जा रहा है।
- (2) अभियुक्त ने स्वेच्छया अपराध करना स्वीकार किया है। अभियुक्त द्वारा स्वीकार की गई स्वीकारोक्ति पर अविश्वास किये जाने का कोई कारण नहीं है।
- (3) अभियुक्त द्वारा स्वेच्छापूर्वक की गई स्वीकारोक्ति के आधार पर अभियुक्त म0प्र0आबकारी अधिनियम की धारा 34-क के अपराध में दोषसिद्ध पाते हुए सिद्धदोष ठहराया जाता है।
- (4) अर्थात् अभियुक्त को म0प्र0आबकारी अधिनियम की धारा 34-क के अपराध में न्यायालय उठने तक की सजा एवं रुपये 1500/- (एक हजार पाँच सौ रु) दंडित किया जाता है। अर्थदण्ड वी राशि जमा करने के व्यक्तिकम पर आशेष का एक तिहाई राशि जमावासा पृथक् से भुगताना जावे।
- (5) प्रकरण में जप्तशुदा शराब को विधिवत् नष्ट किया जावे।

निर्णय खुल न्यायालय में हस्ताक्षरित,
दिनांकित कर घोषित किया गया।

मेरे बोलने पर दंडित
किया गया।

(चारुलता दांगी)

न्यायिक मजि0 प्रथम श्रेणी, सनाबद,
जिला मंडलेश्वर

(चारुलता दांगी)

न्यायिक मजि0 प्रथम श्रेणी, सनाबद,
जिला मंडलेश्वर